राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल

सम्पर्क सरिता

वर्ष–16, अंक–01 अगस्त 2014 से अप्रैल 2015 (संयुक्तांक)

नगरीय निकाय के यंत्रियों की जिम्मेदारी अधिक-श्री कैलाश विजयवर्गीय

नगरीय निकाय के नवनियुक्त उपयंत्रियों के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम

एनआईटीटीटीआर भोपाल एवं नगरीय विकास एवं पर्यावरण विभाग, म.प्र.शासन के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 09 अप्रैल 2015 को म.प्र. में नवनियुक्त 200 उपयंत्रियों के लिये आधारभूत एवं परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री कैलाश विजयवर्गीय, माननीय मंत्री नगरीय विकास एवं पर्यावरण विभाग, म.प्र.शासन ने नवनियुक्त उपयंत्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम भविष्य में आपके कार्यस्थल पर उपयोगी होगा। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय के यंत्रियों की जिम्मेदारी किसी भी अन्य इंजीनियर से अधिक होती है। उनके ऊपर नगरीय शहरीकरण और सौन्दर्यीकरण की भी जिम्मेदारी होती है। श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि आप लोगो का जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से सामना होता है, अतः आपका कार्यव्यवहार एवं कार्यकुशलता समाज के लिये बहुउपयोगी होती है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इन उपयंत्रियों को कुल 10 सप्ताह का प्रशिक्षण दिया जायेगा। आधारभूत प्रशिक्षण में राज्य शासन की समस्त योजनाएं, लोकसेवक का आचरण व व्यवहार, नगरीकरण की चुनौतियां, नगरीय वित्त आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया जावेगा। परिचयात्मक कार्यक्रम में उपयंत्रियों द्वारा संपादित किये जाने वाले कार्यों, नीति, तकनीक एवं नियमों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जावेगी। प्रशिक्षणार्थियों को पड़ोसी राज्यों में अध्ययन भ्रमण पर भी भेजा जायेगा।

श्री विजयवर्गीय का स्वागत करते हुए डॉ. एच.एन. मिश्र

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री कैलाश विजयवर्गीय

उद्घाटन कार्यक्रम को श्री संजय कुमार शुक्ल, आयुक्त, श्री एस.एन.मिश्र, प्रमुख सचिव, श्री मयंक वर्मा, ओएसडी, डॉ. एच.एन.मिश्र, निदेशक, एन.आई.जी.यू.एम., डॉ. डी.एस. करौलिया, निदेशक, एनआईटीटीटीआर, प्रशिक्षण कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. रौली प्रधान, डॉ. आर.के.दीक्षित, अधिष्ठाता (प्रशासन) एवं डॉ. ए.के.सराठे, सह–समन्वयक द्वारा भी संबोधित किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में बोलते हुए आयुक्त श्री संजय शुक्ल ने बताया कि मध्यप्रदेश भारत का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रगतिशील राज्य है। प्राकृतिक संपदा विरासत में बहुतायत में उपलब्ध है। भारत के विकसित राज्यों की तरह मध्यप्रदेश में भी नगरों का तीव्र गति से विकास हो रहा है। 2011 की जनगणना में मध्यप्रदेश की शहरी आबादी 2.1 करोड़ दर्शायी गई है, जो राज्य की कुल जनसंख्या का 27.58 प्रतिशत है। राष्ट्रीय स्तर पर आंकलन करने पर स्पष्ट होता है, कि देश की कुल नगरीय आबादी का लगभग 5.58 प्रतिशत मध्यप्रदेश में निवास करता है। इतनी बड़ी आबादी को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य प्रदेश की 378 स्थानीय नगरीय निकायों द्वारा किया जाता है। इन नगरीय निकायों में लगभग 50,000 अधिकारी एवं कर्मचारी नगरीय सेवायें उपलब्ध कराने में जुटें हैं।

प्रदेश का संतुलित विकास एवं नगरीकरण आज एक दूसरे के पूरक बन गये हैं। पिछले दशकों में नगरीय प्रबंधन एवं विकास से संबंधित सोच एवं तकनीकों में भी बदलाव हुआ है। 74वें संविधान संशोधन के पश्चात् नगरीय निकायों को सेवा प्रदाता के रूप में स्थापित किया गया है। इस संशोधन में जोड़ी गई 12वीं अनुसूची में नगरीय निकायों को दिए गये दायित्व में कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन, भूमि उपयोग का विनियमन, अग्निशमन सेवाएं, नगर की विकास योजना, पर्यावरण संरक्षण आदि ऐसे तकनीकी विषय सम्मिलित किये गये हैं। यह कार्य कुशल एवं प्रशिक्षित मानव संसाधन की उपलब्धता के अभाव में संभव नहीं है। अतः निकायों में उपलब्ध मानव संसाधन में उतरोत्तर एवं परिस्थिति सापेक्ष ज्ञान, कौशल एवं मनोवृत्ति में अभिवृद्धि करना आवश्यक है।

शहरी नागरिक द्वारा भी निकायों से व्यावसायिक स्तर की सेवाओं की अपेक्षा की जाती है, परन्तु निकायों में कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को उन्नत सेवायें देने के लिये प्रशिक्षित करने एवं नगरीय चुनौतियों का सामना करने के लिये प्रशिक्षण आवश्यक हो गया है। इसके द्वारा आवश्यक ज्ञान एवं कौशल विकसित कर नगरीय क्षेत्रों में उत्पन्न होने वाली समस्याओं के निराकरण के लिये मानव संसाधन तैयार किया जा सकता है।

नगरों की उत्पादकता वृद्धि एवं नगरीय निकायों में दक्षता संवर्धन, राज्य सरकार के साथ–साथ केन्द्र सरकार की भी चिंता का विषय है। नगरीय निकायों के जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों तथा नगरीय प्रबंधन एवं विकास से सरोकार रखने वाले शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं के अमले को प्रशिक्षित करने के साथ–साथ नगरीय प्रबंधन के क्षेत्र में शोध, लोक नीति निर्माण, नवाचार एवं नगरीय सुशासन की बेहतर प्रक्रिया का प्रचार–प्रसार आवश्यक हो गया है।

विभाग की पहल पर बोलते हुए डॉ. एच.एन.मिश्र ने कहा कि स्थानीय निकाय में भर्ती, पदोन्नति अथवा दायित्व परिवर्तन के समय प्रशिक्षण को अनिवार्य गतिविधि माना गया है। सभी स्तरों पर सीधी भर्ती के समय आधारभूत तथा परिचयात्मक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भर्ती के साथ ही प्रारंभ करने की व्यवस्था की गई। उपयंत्रियों को सेवा में स्थाई करते समय भी आधारभूत तथा परिचयात्मक प्रशिक्षण में सफलता तथा कार्य स्थल पर कार्य व्यवहार पर विचार किया जायेगा। यह भी विचार हो रहा है कि नई भर्ती के अधिकारी एवं कर्मचारी की आपसी वरिष्ठता क्रम का निर्धारण आधारभूत एवं परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्राप्त अंक तथा भर्ती के लिए आयोजित परीक्षा के साथ जोड़कर तय किया जाए। इसी तारतम्य में शासन द्वारा आधारभूत एवं परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम को आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के उपरांत समस्त प्रतिभागियों को विभागीय एवं नगरीय निकायों की संरचना,

श्री संजय शुक्ल का स्वागत करतीं परियोजना समन्वयक डॉ. रौली प्रधान

दायित्व एवं कार्यकलाप, नियमों, उपनियमों, नगरीय विकास, प्रबंधन की तकनीक एवं व्यवस्था में परिवर्तनों से अवगत कराया जायेगा। इस प्रशिक्षण में संगठनात्मक दृष्टिकोण से योग्यता को दो प्रकारों – मूल भूत तथा व्यावसायिक में विभाजित किया गया है। मूलभूत योग्यता की आवश्यकता विभिन्न स्तर के व्यक्तियों के लिये भिन्न भिन्न तरह की हो सकती हैं। इनमें से कुछ योग्यता आपसी संवाद, कुछ टीम रूप में संयुक्त रूप से कार्य करने की, कुछ नेतृत्व की तथा कुछ सूचना प्रौद्योगिकी को समझने की हो सकती हैं। दूसरी प्रकार की योग्यतायें व्यावसायिक एवं विशेषज्ञ कौशल की हो सकती है। ये विशिष्ट कार्यों जैसे नगरीय नियोजन, परियोजना प्रबन्धन, पालिका वित्त, पर्यावरण प्रबन्धन, नगरीय यॉंत्रिकी, सड़क निर्माण, जल प्रदाय से सम्बन्धित हो सकती हैं।

निटर, भोपाल के प्रो. आर.के.दीक्षित, अधिष्ठाता (प्रशासन) ने प्रशिक्षण के प्रमुख लक्ष्य बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारतीय संविधान के अध्याय–9 (ए) की मूल भावनाओं के अनुरूप नवनियुक्त अधिकारियों को स्थानीय नगरीय शासन व्यवस्था की संरचना, दायित्व, कार्यकलापों, नियमों, उपनियमों एवं नगरीय विकास तथा प्रबंधन की तकनीक से परिचित कराकर नव नियुक्त उपयंत्रियों को उनकी भूमिका निर्वाह करने के लिए तैयार करना, प्रतिभागियों को लोक सेवकों के आचरण, व्यवहार, अनुशासन से संबंधित विधियों, नियमों के साथ–साथ लोक सेवा प्रबंधन की अवधारणा एवं सिद्धांतों के साथ–साथ नगरीय विकास के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं एवं इनके क्रियान्वयन की पद्धति से परिचित कराना है । डॉ. दीक्षित ने कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से उपयंत्रियों को प्रदेश एवं देश की प्रशासकीय, न्यायिक एवं वैधानिक व्यवस्था एवं प्रक्रिया को समझने का अवसर देने के साथ–साथ समावेशी शासन एवं लोक केन्द्रित प्रशासन के लिये आवश्यक मनोवृत्ति का अभिवर्धन एवं अर्न्तवैयक्तिक संबंधों का प्रशासन में महत्व समझाया जायेगा। परिचयात्मक प्रशिक्षण के उपरान्त ये सभी उपयंत्री संवहनीय एवं समावेशी शहरी विकास के लिए नगर

नियोजन की अवधारणा के अनुरूप नगर विकास की योजनाएं तैयार कर सकेंगें। शहरों की आवश्यकता अनुसार स्वच्छता, जलापूर्ति, अधोसंरचना एवं अन्य सेवाओं के लिए प्रभावी योजना प्रस्ताव तैयार कर सकेंगें। परियोजना प्रस्ताव के अन्तर्गत पर्यावरण नियमों के साथ–साथ शहर एवं शहरीकरण से प्रचलित अन्य नियमों का परीक्षण प्रस्ताव विभाग को भेजने में सक्षम होंगें। जन निजी भागीदारी के अन्तर्गत अधोसंरचना निर्माण में गुणवत्ता एवं प्रभावी अनुबंध प्रबंधन (Contract Management) कर सकेंगें। उपयंत्रियो को इस प्रशिक्षण के साथ–साथ योग प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनिता लाला ने किया ।

नगरीय निकाय के नवनियुक्त इंजीनियर्स का शैक्षणिक भ्रमण

नगरीय निकाय के नवनियुक्त इंजीनियर्स को दो टीमों में शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। टीम–अ का दिनांक 09 मई से 14 मई 2015 एवं टीम–ब का दिनांक 10 मई से 15 मई 2015 तक आयोजित शैक्षणिक भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों को म0प्र0 राज्य के विभिन्न नगर निगमों एवं नगरीय निकाय जैसे देवास, उज्जैन, इन्दौर, महेश्वर, मण्लेश्वर एवं औंकारेश्वर का भ्रमण कराया गया। देवास के शैक्षणिक भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों को नगरीय निकाय के जल संसाधन विभाग के नये राजानल तालाब का भ्रमण कराया गया। प्रतिभागियों को देवास की जल आपूर्ति व जल प्रदाय की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। उज्जैन में शैक्षणिक भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों को उज्जैन की नगरीय निकाय के कार्यो जैसे ओवर ब्रिज, बिजली के दाह संस्कार स्थल व वर्ष 2016 में होने वाले सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए किए जा रहे कार्यो के स्थल का भ्रमण कराया गया। इन्दौर में शैक्षणिक भ्रमण के दौरान नगरीय निकाय के कार्यो जैसे मलजल उपचार संयंत्र, निर्माणाधीन सड़क व पुल आदि का भ्रमण किया। प्रतिभागियों ने महेश्वर के नगरीय निकाय के कार्यो के अन्तगर्त जल प्रदाय की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। प्रतिभागियों ने मण्लेश्वर

यात्रा के दौरान नगरीय निकाय के कार्यो के अन्तगर्त मण्डलेश्वर में चल रहे जल प्रदाय योजना के निर्माण कार्य की प्रक्रिया का अवलोकन किया। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान नगर परिषद् ओंकारेश्वर में नगरीय निकाय के कार्यो व एन.एच.डी.सी, ओंकारेश्वर विद्युत उत्पादन संयत्र का भ्रमण किया। संस्था की ओर से टीम–अ का भ्रमण श्रीमती श्रीदेवी बी.नायर एवं टीम–ब का भ्रमण श्री अमित कुमार गुप्ता द्वारा कराया गया।

एनआईटीटीटीआर का स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस समारोह संपन्न

07 अप्रैल 2015 को 50 वें स्थापना दिवस के अवसर पर निटर, भोपाल ने अपनी स्थापना का स्वर्ण जयंती वर्ष मनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अप्पू कुट्टन, निदेशक, एमएएनआईटी, भोपाल एवं विशेष अतिथि के रूप में डॉ. शमीमउद्दीन, तकनीकी शिक्षा एवं जनशक्ति नियोजन विभाग को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन के द्वारा की गयी। दीप प्रज्जवलन के पश्चात् संस्थान के निदेशक डॉ. डी.एस. करोलिया ने अतिथियों का स्वागत किया। इसी तारतम्य में संस्थान के निदेशक तथा अन्य उपस्थित संकायगणों का स्वागत किया गया। प्रो. अप्पू कुट्टन ने संस्थान के विकास के लिए सभी को बधाई दी तथा तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम करने को प्रेरित किया। उन्होंने अपने कहा कि तकनीकी शिक्षा में उच्च गुणवता हेतु एनआईटीटीटीआर जैसी संस्था की आवश्यकता है। डॉ. शमीमउद्दीन ने तकनीकी शिक्षा में निपुण तथा क्वालिटी विद्यार्थी की वकालत की तथा वर्तमान की आईसीटी तकनीक का भरपूर उपयोग करने के लिये सुझाव दिए। निदेशक प्रो. डी.एस. करौलिया समेत मंच पर उपस्थित

कार्यक्रम को संबोधित करते निदेशक प्रो. डी.एस.करौलिया

सभी संकाय सदस्यों डॉ. राजेश दीक्षित, डॉ. व्ही.एच. राधाकृष्णन, डॉ. आर.पी. खम्बायत ने अपने अनुभव बांटें। संस्थान के विकास में टीचिंग मेथड तथा क्वालिटी कंटेंट को डिलीवर करने हेतु सुझाव दिए। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के समन्वयक तथा डीन डॉ. संजय अग्रवाल ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनिता लाला ने किया ।

एनआईटीटीटीआर, भोपाल में स्वच्छता अभियान

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा प्राप्त निर्देशों के आलोक में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के संबंध में संस्थान द्वारा 25 सितम्बर 2014 से स्वच्छता जागरूकता अभियान शुरू किया गया। उसी श्रंखला में 26–9–2014 को दोपहर 3:00 बजे से संकाय/अधिकारी/कर्मचारीगण एवं छात्रों हेतु ''अपशिष्ट प्रबन्धन'' अथवा ''आधुनिक भारत के निर्माण में सामुदायिक स्वच्छता की भूमिका'' विषयों पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान के प्रभारी निदेशक डॉ. डी. एस. करौलिया द्वारा किया गया। अपने उद्‌बोधन में उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छता जागरूकता पर जारी संदेश का वाचन किया।निबंध प्रतियोगिता में संस्थान के कर्मचारीगण एवं छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ.(श्रीमती) किरन सक्सेना द्वारा किया गया।

संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला में सहभागिता

कंप्यूटेशनल फिजिक्स पर सेमिनार बोस्टन, यूएसए में

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ.पी.के.पुरोहित ने दिनांक 10 से 14 अगस्त 2014 तक बोस्टन यूनिवर्सिटी, अमेरिका में ''कंप्यूटेशनल फिजिक्स'' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। डॉ. पुरोहित ने इस संगोष्ठी में अपने दो शोधपत्र प्रस्तुत किये। डॉ.पुरोहित ने हॉवर्ड व एम.आई.टी. जैसे संस्थानों का भी भ्रमण किया एवं वहां की प्रयोगशालाओं एवं शोधकेन्द्रों को भी देखा।

उच्च शिक्षा पर सेमिनार दुबई में

दुबई में आयोजित ''इंटरनेशनल कांफ्रेंस इन हॉयर ऐजूकेशन'' में निटर, भोपाल की ओर से डॉ. आर.के.दीक्षित एवं प्रो. एलेन संजय रोचा में भाग लिया एवं शोध पत्र प्रस्तुत किये।

इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन लर्निंग एंड टीचिंग, सिंगापुर

संस्थान के संकायगण डॉ. के.जेम्स मथाई, डॉ. एस.एस. केदार एवं डॉ. अजय सराठे ने सिंगापुर में दिनांक 25 से 26 मार्च 2015 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ''इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन लर्निंग एंड टीचिंग'' में भाग लिया व अपने शोधपत्र प्रस्तुत किये।

एनूअल कांफ्रेंस ऑन ऐजूकेशन एण्ड डेवलपमेंट

संस्थान के शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग की प्राध्यापक डॉ. किरण सक्सेना ने बैंकाक, थाईलैंड में दिनांक 05 से 07 मार्च 2015 को आयोजित संगोष्ठी ''10 एनूअल कांफ्रेंस ऑन ऐजूकेशन एंड डेवलपमेंट'' में भाग लिया व अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. एन.पी.पाटीदार ने दिया नार्वे यूनिवर्सिटी में विशेष व्याख्यान

संस्थान के इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर एन.पी. पाटीदार ने नार्वे की यूनिवर्सिटी ऑफ अडर में विशेष व्याख्यान दिया। प्रो. पाटीदार के साथ प्रो. ए.के.सराठे एवं प्रो. ए.एस.वाल्के ने भी नार्वे की इस यूनिवर्सिटी की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया।

सिडनी कांफ्रेंस में पेपर प्रस्तुत

संस्थान के सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग के प्रो.ए.के.जैन एवं प्रो.एम.सी. पालीवाल ने वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा दिनांक 13 से 15 दिसंबर 2014 तक सिडनी में आयोजित कांफ्रेंस में भाग लिया व अपने शोधपत्र प्रस्तुत किये।

आईजेएएस सेमिनार, रोम (इटली) में आयोजित

संस्थान के निदेशक प्रो. डी.एस.करौलिया एवं अन्य संकायगण प्रो. व्ही. एच.राधाकृष्णन, प्रो. के.के.जैन, प्रो. बी.एल.गुप्ता एवं प्रो. जे.पी.टेगर ने दिनांक 28 से 31 अक्टूबर 2014 तक रोम, इटली में आयोजित आईजेएएस कांफ्रेंस में भाग लिया व अपने शोधपत्र प्रस्तुत किये।

इंजीनियरिंग एवं एप्लाईड साइंस विषय पर सेमिनार, टोक्यो, जापान में

संस्थान के संकायगण डॉ.के.के.पाठक, डॉ.शैलेन्द्र सिंह, डॉ. अभिलाष ठाकुर एवं डॉ.बशीरउल्ला शेक ने दिनांक 17 से 19 दिसंबर 2014 तक टोक्यो, जापान में इंजीनियरिंग एवं एप्लाईड साइंस विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में शोध पत्र प्रस्तुत किये। इस भ्रमण के साथ ही डॉ. अभिलाष ठाकुर एवं प्रो. बशीरउल्ला शेक ने पटाया, थाईलैंड में दिनांक 15 से 16 दिसंबर 2014 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में शोध पत्र प्रस्तुत किये।

कांफ्रेंस ऑन जियोमेट्रिकल फंक्शनल एनालिसिस एंड इट्स एप्लीकेशन्स फ्रांस में

अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग के डॉ. दीपक सिंह ने बेसनकॉन, फ्रांस में दिनांक 27 से 31 अक्टूबर 2014 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ''कांफ्रेंस ऑन जियोमेट्रिकल फंक्शनल एनालिसिस एंड इट्स एप्लीकेशन्स'' में अपना शोध पत्र ''सम बेस्ट प्राक्सिमिटी पाइंट थ्योरम्स् इन जी–मीट्रिक स्पेसेस'' विषय पर प्रस्तुत किया एवं उपरोक्त विषय के विभिन्न क्षेत्रों में एप्लीकेशन्स के बारे में शोधकर्ताओं से चर्चा की।

प्रो.पी.सी.जैन को भावभीनी श्रद्धांजली

दिनांक 29 मार्च 2015 को निटर, भोपाल के पूर्व निदेशक प्रोफेसर पी.सी जैन का असामयिक निधन हो गया। निटर, भोपाल परिवार ने अपने पूर्व समर्पित, निष्ठावान, कर्तव्यनिष्ठ, नवाचारी, रचनात्मक पूर्व निदेशक प्रोफेसर पी.सी जैन के योगदान को याद किया एवं उन्हें श्रद्धांजली अर्पित की। प्रोफेसर पी.सी जैन ने निटर, भोपाल को स्वर्णिम शिखर तक ले जाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम

दिनांक 13 मार्च 2015 को संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. वीना दानी एवं श्रीमती सीमा अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती पूजन से हुआ। अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया तत्पश्चात् डॉ. किरन सक्सेना, अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ एवं प्राध्यापिका शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने बताया की अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का महत्व क्या है और इसे पूरी दुनिया में क्यों और कब से मनाना शुरू किया गया। इसके बाद अतिथि वक्ता डॉ. वीना दानी द्वारा ''कार्य एवं व्यक्तिगत जीवन में संतुलन'' विषय पर बहुत ही रोचक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया जो कि सभी कार्यशील महिलाओं एवं पुरूषों के लिए लाभकारी एवं महत्वपूर्ण विचारों से लिप्त था। श्रीमती सीमा अग्रवाल द्वारा ''महिला एवं बच्चों के संबंध में कुछ विचारणीय पहलू'' विषय पर व्याख्यान दिया गया, जिसमें उन्होंने महिलाओं एवं बच्चों से जुड़े अत्याचार और उनकी

विभिन्न समस्याओं हेतु सरकार द्वारा बनाई गई विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला और उनसे अवगत कराया। अंत में प्रभारी निदेशक डॉ. के.के. जैन ने सभी को महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के योगदान पर अपने विचार प्रकट किए और अतिथियों को संस्थान द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. (श्रीमती) अस्मिता खजांची द्वारा किया एवं अंत में डॉ. समीना फर्रूख ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

संस्थान में आयोजित राजभाषा गतिविधियाँ

- 15 सितंबर 2014 को संस्थान में ''हिंदी दिवस'' मनाया गया। हिंदी दिवस के अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. दशरथ सिंह करौलिया द्वारा अपील जारी की गई तथा समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण को हिंदी में कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। हिंदी दिवस के अवसर पर अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्या.), भोपाल के सदस्य कार्यालयों को भी हिंदी में कार्य करने हेतु संदेश भेजा गया।

हिंदी पखवाड़े के उपलक्ष्य में निम्नलिखित प्रतियोगिताएं आयोजित की गईः–

जल संवाद थीम पर आधारित अभिव्यक्ति, स्तंभ लेखन, शुद्व लेखन, अपशिष्ट प्रबंधन अथवा आधुनिक भारत के निर्माण में सामुदायिक स्वच्छता की भूमिका पर निबन्ध, सामुदायिक स्वच्छता विषय पर स्लोगन लेखन जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी।

- संस्थान में निम्न राजभाषा संगोष्ठियॉ आयोजित की गईः–

❖ 18 सितंबर 2014 को ''राजभाषा हिंदी और उसका कार्यान्वयन'' ''सरकारी नीतियों के कार्यान्वयन में हिंदी का महत्व ''हिंदी में वैज्ञानिक तकनीकी और राजभाषा का स्वरूप'' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। संस्थान के 50 संकाय/अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा उक्त संगोष्ठी में भाग लिया गया।

❖ 16 दिसंबर 2014 को ''हिंदी और हिंदीत्तर भाषाओं में पुल निर्माण'',''हिंदी कार्यशालाएं कितनी सार्थक'', विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रसार में हिंदी की भूमिका'' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की छःमाही बैठक 22 दिसंबर 2014 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संगहालय, भोपाल के सौजन्य से उनके वीथी संकुल सभागार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. दशरथ सिहं करौलिया, निदेशक एवं अध्यक्ष नराकास, एनआईटीटीटीआर, भोपाल ने की। बैठक में निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल प्रो. सरित कुमार चौधुरी, श्री हरीश चौहान, अनुसंधान अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य) भोपाल तथा भोपाल स्थित केंद्रीय सरकार के 50 से अधिक कार्यालय प्रमुख अपने हिंदी अधिकारियों के साथ उपस्थित हुए। श्री डी.के.तिवारी, प्रशासकीय अधिकारी एवं सचिव, नराकास, एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा बैठक की कार्रवाई की गई।

- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 65वीं बैठक 4 अगस्त 2014 को प्रो. विजय अग्रवाल, निदेशक की अध्यक्षता में एवं 66वीं बैठक 25 नवम्बर 2014 को प्रो. डी. एस. करौलिया, निदेशक की अध्यक्षता में तथा 67वीं बैठक 25 फरवरी 2015 को प्रो. के.के.जैन, निदेशक की अध्यक्षता में कमेटी रुम में सम्पन्न हुई। उक्त बैठकों की कार्यवाही श्री डी.के. तिवारी, प्रशासकीय अधिकारी एवं सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा की गई।

- भारतीय भाषा एवं संस्कृति केंद्र, दिल्ली द्वारा 10 से 12 अक्टूबर 2014 तक पोर्टब्लेयर (अंडमान निकोबार) में आयोजित पच्चीसवां ''अखिल भारतीय राजभाषा प्रशिक्षण शिविर एवं सम्मेलन'' में संस्थान के 5 अधिकारी / कर्मचारीगण द्वारा भाग लिया गया।
- राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वाधान में निम्नलिखित कार्यशालाएं आयोजित करवाई गई।

क्र.	कार्यशाला / विषय	अवधि	समन्वयक
1.	कंप्यूटर में राजभाषा तथा यूनीकोड का प्रयोग	9–10 सित. 2014	प्रो. संजय अग्रवाल
2.	प्रभावी संप्रेषण	25–26 नव. 2014	प्रो. अंजना तिवारी
3.	इंटरनेट का प्रयोग	07–08 जन. 2015	प्रो. एम.ए.रिजवी
4.	भंडार प्रबंधन	11–12 मार्च 2015	प्रो. सी.के.चुघ, प्रो. ए.के.सराठे

उक्त कार्यशालाओं में संस्थान के अधिकारी / कर्मचारीगणों के अलावा राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य कार्यालयों के अधिकारी / कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

इण्डक्शन कार्यक्रम की नई संरचना

गुजरात तकनीकी शिक्षा विभाग से प्राप्त फीडवेक के आधार एवं आऊटकम बेस्ड पाठ्यक्रम की मांग को देखते हुए संस्थान स्तर पर प्रो बी.एल. गुप्ता, प्रो. जोशुआ अर्नेस्ट एवं प्रो. अंजू रौले की समिति ने प्राप्त फीडबेक, आऊटकम बेस्ड पाठ्यक्रम एवं एन. बी.ए. एक्रीडिटेशन की आवश्यकता व आऊटकम आधारित पाठ्यक्रम के सिद्धांतो को ध्यान में रखते हुए इण्डक्शन कार्यक्रम की रचना तैयार की एवं संस्था के सभी प्राध्यापकों को मूल्य वृद्धि हेतु प्रसारित किया। संस्था के प्राध्यापकों द्वारा उनके अनुभवों एवं विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए कार्यक्रम की रचना में सुधार लाने हेतु बिन्दु सुझाये गये। एक कार्यशाला का आयोजन कर सभी उपयुक्त सुझाओं को शामिल किया गया। कार्यक्रम की संरचना को अन्तिम रूप देने के पश्चात तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कार्यक्रम की नई संरचना को प्रस्तुत कर शैक्षणिक सामग्री, पीपीटी एवं नियत कार्य करने की रूपरेखा तैयार की गई एवं कार्य का विभाजन सभी प्राध्यापकों को उनकी विशेषज्ञता, अनुभव एवं रूचि को देखते हुए किया गया। शैक्षणिक सामग्री तैयार करने का कार्य अन्तिम चरण में है एवं इसी वर्ष प्रयोग के तौर पर इण्डक्शन कार्यक्रमों की नई संरचना का क्रियान्वयन गुजरात राज्य के लिए किया जायेगा एवं इसे सफलता व अनुभव के आधार पर सभी इण्डक्शन कार्यक्रमों हेतु लागू किया जायेगा। इण्डक्शन कार्यक्रम की नई संरचना में तकनीकी शिक्षक की आवश्यक योग्यताओं का प्रदर्शन, शैक्षणिक रणनीतियों का उपयोग योग्यता विकास हेतु करना, परियोजना आधारित पोर्टफोलियो तैयार करना, भारतीय तकनीकी शिक्षा प्रणाली की चुनौतियों को समझाना, तकनीकी शिक्षको की भूमिका एवं जबावदारी को विस्तारपूर्वक समझाना, तकनीकी कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम का एन.बी.ए. के परिपेक्ष्य में परिपेक्ष्य विश्लेषण करना, प्रोग्राम आऊटकम एवं कोर्स आऊटकम को प्राप्त करने के लिए कोर्स योजना तैयार करना, प्रोग्राम आऊटकम एवं कोर्स आऊटकम का मूल्यांकन करने हेतु मूल्यांकन योजना तैयार करना, सत्र योजना बनाना, शैक्षणिक रणनीतियो एवं मीडिया के उपयोग की योजना तैयार करना, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यक्रम से सम्बद्ध गतिविधियां आयोजित करना, विद्यार्थियों को मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रदान करना, विभिन्न प्रकार के प्रयोग की संरचना करना, प्रोग्राम आऊटकम एवं कोर्स आऊटकम प्राप्त करने हेतु परियोजना तैयार करना, स्वयं सीखने एवं जीवन पर्यन्त सीखने के गुणों का विकास करना, आनलाईन आईसीटी संसाधनों का सीखने सिखाने एवं मूल्यांकन में उपयोग करना, औद्योगिक प्रशिक्षण के आयोजन की योजना तैयार करना, दस्तावेजो को विभिन्न संस्थाओं की मांग के अनुसार तैयार करना, सोशल एवं इथिकल पद्धतियों का उपयोग करना, स्वयं के विकास की योजना तैयार करना, शोध एवं परामर्श परियोजना का मूल्यांकन करना आदि को शामिल किया गया है। इस कार्यक्रम की विषय वस्तु निर्धारित योग्यताओं को प्राप्त करने हेतु तैयार की गई है। कार्यक्रम में क्लास असाइनमेन्ट, होम असाइनमेन्ट एवं प्रोजेक्ट पर काफी जोर दिया है। प्रत्येक सत्र को रोचक बनाने एवं प्रतिभागियों की सहभागिता बढ़ाने हेतु पीपीटी, हैण्डआऊट एवं टास्क का प्रावधान किया गया है। इन कार्यक्रमों में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी शिक्षक कार्यक्रम की योग्यता से संबंधित असेसमेन्ट पोर्टफोलियों तैयार करेंगे जिसके आधार पर उन्हें योग्यता प्राप्ति की ग्रेड दी जायेगी। इण्डक्शन फेस–1 एवं 2 की योग्यताओं हेतु 1000 पाइंट का प्रावधान किया गया है। एनबीए एक्रीडिटेशन एवं आऊट कम बेस्ड करिकुलम की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विषय वस्तु की एक वृहद श्रंखला इस कार्यक्रम में रखी गई है। एनआईटीटीटीआर भोपाल के अनुभवी प्राध्यापकों के सहयोग से संस्था के सभी प्राध्यापको का प्रशिक्षण भी किया जा रहा है जिससे इण्डक्शन कार्यक्रमों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। इण्डक्शन कार्यक्रम की नई संरचना तकनीकी संस्थाओं को एन.बी.ए. एक्रेडिटेशन हेतु तैयार करने एवं शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की उत्कृष्टता प्राप्त करनें में सहायक होगी।

एनआईटीटीटीआर भोपाल बना फिर चैम्पियन

एन.आई.टी.टी.टी.आर भोपाल ने निटर कोलकाता में दिनांक 11 फरवरी से 14 फरवरी 2015 तक आयोजित 11वीं इन्टर निटर स्पोर्टस मीट में चैम्पियनशिप ट्रॉफी जीती।

संरक्षक : निदेशक, संपादक : प्रो. पी. के. पुरोहित, सहसंपादक : श्री एम.आर. खान, छायांकन : श्री रितेन्द्र पंवार, सहयोग : श्रीमती मोहिनी कथूरिया, श्रीमती अनिता लाला, टंकण : श्री विशाल जोशी, श्री सुधीर त्रिपाठी

आन्तरिक वितरण हेतु राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल द्वारा प्रकाशित एवं भंडारी ऑफसेट प्रिंटर्स द्वारा मुद्रित